मण्डल/विद्युत कंपनी द्वारा वर्ष 2008–09 में की गई कर्मचारी कल्याणकारी गतिविधियाँ

औद्योगिक संबंध एवं औद्योगिक शान्ति

औद्योगिक संबंध, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी का एक महत्वपूर्ण विभाग है। इस विभाग में विद्युत कंपनी एवं कर्मचारियों के मध्य मधुर संबंध को उभारने के लिये श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों से सहज भाव से संपर्क किया जाता रहा है तथा यह कोशिश की जाती है कि वे विद्युत कंपनी के प्रति उत्साह से परिपूर्ण होकर विद्युत कंपनी के कार्य के प्रति निष्ठावान एवं कर्तव्य निष्ठ हों। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी में 17 श्रमिक संगठन कार्यरत है।

श्रमिक संगठनों से मांग एवं श्रमिक सन्तुष्टि के लिये औद्योगिक संबंध अधिकारी द्वारा नित प्रतिदिन उनसे सम्पर्क कर सकारात्मक प्रेरणा किया जाता है। मधुर औद्योगिक संबंधों को पुष्ठ किया जाता है। इसी कड़ी में अप्रेल 2008 से दिसंबर 2008 के दौरान मण्डल/सचिव स्तर पर 20 बैठकें आयोजित की गई तथा जनवरी 2009 से मार्च 2009 तक के दौरान एक बैठक आयोजित की गई। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन द्वारा विद्युत कंपनी की नीतिगत या शासन के अध्याधीन बिन्दुओं पर आम हड़ताल की नोटिस पर तत्परता से कार्यवाही की गई। संगठन को इस दरम्यान तीन बार समझाइश पत्र देकर हड़ताल जैसी अप्रिय कार्यवाही को स्थगित कराया गया। यह जटिल एवं साहसपूर्ण कार्य विद्युत कंपनी की योग्य प्रशासनिक क्षमता से संभव हो पाया है।

हड़ताल अवधि में औद्योगिक एवं श्रम कल्याण विभाग का महत्वपूर्ण दायित्व हो जाता है। विद्युत कंपनी द्वारा शासन के श्रम विभाग से पहल करते हुए ''शासकीय संदर्भ'' सम्पादित किया जाता है एवं इसी आधार पर माननीय

औद्यौगिक न्यायालय द्वारा हड़ताल को अवैध घोषित कराया जाता है। शासन से कार्य कराया जाना इस विभाग के कुशल कार्यशैली को परिलक्षित कराता है।

औद्यौगिक संबंध का एक उत्कृष्ट कार्य यह भी है कि विभिन्न श्रमिक संगठनों से प्राप्त सुझावों पर परीक्षण कर विभिन्न पहलुओं पर तथ्यात्मक तर्को से परिपूर्ण प्रस्ताव तैयार कर विद्युत कंपनी के विचारार्थ प्रस्तुत किया जाता है। उन प्रस्तावों को विद्युत कंपनी द्वारा कर्मचारियों के कल्याणार्थ स्वीकार किया जाता रहा है, जो इस विभाग की सकारात्मक सोच का परिचायक है। यहां यह भी उल्लेखनीय/सराहनीय कदम है कि कर्मचारी विशेष द्वारा अपनी समस्याओं के निदान हेतु इस विभाग से सम्पर्क किया जाता है।

कर्मचारियों के व्यक्तिगत समस्याओं का निराकरण हेतु विभिन्न कार्यालयों से पत्राचार किया जाकर कर्मचारियों के व्यक्तिगत समस्याओं का निराकरण संबंधित कार्यालयों/विद्युत कंपनी से अनुमोदन प्राप्त कर निराकृत कराया जाता है, जिससे कर्मचारियों में विद्युत कंपनी के प्रति विश्वास का संचार होता है। वह कर्मचारी विद्युत कंपनी के प्रति वफादार एवं कर्त्तव्य निष्ठा से कार्य सम्पादित करता है।

सार में यह कहा जा सकता है कि विद्युत कंपनी की औद्यौगिक शान्ति के साथ–साथ उसकी चमक को निखारने में औद्यौगिक संबंध विभाग महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

प्रबंधन और कर्मचारियों के मध्य मधुर औद्योगिक संबंधों की पुष्टि से उत्पादन, वितरण ओर पारेषण कार्यों में उत्कृष्ठता का क्रम निरन्तर ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है।

...